CBSE Class 12 Sociology Important Questions Chapter 7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
परियोजना से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
यह वास्तविक जीवन का भाग है जिसका प्रयोग विद्यालय में किया जाता है।

प्रश्न 2.
परियोजना कार्य से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
परियोजना कार्य का अर्थ है-योजना की कार्यप्रणाली।

प्रश्न 3.
परियोजना कार्य का उद्देश्य क्या है?
उत्तर:
शोधकार्य को उपयोगी और रचनात्मक बनाना।

प्रश्न 4.
परियोजना कार्य के आयोजन के आरम्भिक दो चरण कौनसे हैं?
उत्तर:

1. प्रश्न अथवा समस्या का चुनाव करना
2. उपयुक्त शोध प्रणाली का चुनाव करना।

प्रश्न 5.
शोध प्रणाली का चयन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिये?
उत्तर:
इसका चयन करते समय तकनीकी कसौटियों तथा व्यावहारिकता का ध्यान रखा जाना चाहिये।

प्रश्न 6.
परियोजना कार्य के दो लाभ बताइए।
उत्तर:

1. व्यावहारिकता
2. मनोवैज्ञानिक सन्तुष्टि।

प्रश्न 7.
विद्यालय में बालक-बालिकाओं के लिए शोधकार्य करने के लिए दो उपयुक्त पद्धतियों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. सर्वेक्षण पद्धति
2. प्रश्नावली।

प्रश्न 8.
साक्षात्कार के कोई दो प्रकार बताइये।
उत्तर:

1. संरचित साक्षात्कार,
2. असंरचित साक्षात्कार।

प्रश्न 9.
प्रेक्षण पद्धति के दो लाभ बताइए।
उत्तर:

1. व्यावहारिक अध्ययन,
2. अध्ययन कार्य की गहनता।

प्रश्न 10.
जनसंचार साधनों की बदलती हुई स्थिति पर शोध करने के लिए काम में ली जाने वाली कोई दो विधियों को बताइये।
उत्तर:

1. ऐतिहासिक पद्धति,
2. सर्वेक्षण पद्धति।

प्रश्न 11.
छोटी शोध परियोजनाओं से सम्बन्धित कोई दो विषय बताइये।
उत्तर:

1. सार्वजनिक परिवहन,
2. सामाजिक जीवन में संचार माध्यमों की भूमिका।

प्रश्न 12.
शोध प्रश्न का निर्धारण करने के बाद शोधकर्ता का मुख्य काम क्या होता है?
उत्तर:
उपयुक्त शोध प्रणाली का चयन करना।

प्रश्न 13.
संरचित साक्षात्कार में कैसे प्रश्न पूछे जाते हैं?
उत्तर-पूर्व-निर्धारित।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
साक्षात्कार पद्धति का एक लाभ बताइए।
उत्तर:
इस पद्धति में लचीलापन होता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
सर्वेक्षण प्रणाली से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
इसके अन्तर्गत सामान्य रूप से निर्धारित प्रश्नों से अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में लोगों से प्रश्नों को पूछा जाता है। प्रश्न अन्वेषक के द्वारा व्यक्तिगत रूप से पूछे जा सकते हैं और उत्तरदाता से प्राप्त उत्तरों को अन्वेषक के द्वारा लिख लिया जाता है।

प्रश्न 2.
प्रश्नावली से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
प्रश्नावली शोध की वह विधि है जिसे उत्तरदाता के द्वारा भरकर सर्वेक्षणकर्ता को लौटा दिया जाता है।

प्रश्न 3.
सर्वेक्षण प्रणाली के दो लाभ बताइए।
उत्तर:

1. इसके द्वारा एक साथ काफी लोगों के विचारों को जाना जा सकता है।
2. इसके परिणाम सम्बन्धित समूह अथवा जनसंख्या के विचारों का सही प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रश्न 4.
सर्वेक्षण प्रणाली के दो दोष बताइए।
उत्तर:

1. प्रश्नों को पूछते समय इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।
2. उत्तरदाता के द्वारा प्रश्नों को ठीक तरीके से नहीं समझ पाने के कारण भ्रामक परिणाम आ सकते हैं।

प्रश्न 5.
साक्षात्कार से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
यह शोध की वह पद्धति है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति आमने-सामने रहकर विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

प्रश्न 6.
संरचित साक्षात्कार किसे कहते हैं ?
उत्तर:

जब साक्षात्कारकर्ता के द्वारा पूर्व निर्धारित प्रश्नों को पूछा जाता है तो ऐसे साक्षात्कार को संरचित साक्षात्कार कहा जाता है।

प्रश्न 7.
असंरचित साक्षात्कार किसे कहते हैं?
उत्त:
जहाँ कुछ विषय अथवा प्रकरण ही पूर्व निर्धारित होते हैं और वास्तविक प्रश्न वार्तालाप के दौरान उभरकर सामने आते हैं तो उसे असंरचित साक्षात्कार कहते हैं।

प्रश्न 8.
अधिक गहन साक्षात्कार किसे कहते हैं ?
उत्तर:
इसमें साक्षात्कार लेने वाला व्यक्ति लम्बे समय तक साक्षात्कार ले सकता है अथवा विस्तृत जानकारी पाने के लिए बार-बार साक्षात्कार भी ले सकता है।

प्रश्न 9.
कम गहन साक्षात्कार किसे कहते हैं ?
उत्तर:
ऐसे साक्षात्कार कम समय के लिए होते हैं और औपचारिक होते हैं। इन्हीं को कम गहन साक्षात्कार कहा जाता है।

प्रश्न 10.
साक्षात्कार के दो लाभ बताइए।
अथवा
साक्षात्कार के दो गुण बताइए।
उत्तर:

1. इसमें लचीलेपन का गुण पाया जाता है।
2. इसमें सम्बन्धित विषयों पर विस्तार से बातचीत की जा सकती है।

प्रश्न 11.
साक्षात्कार, सर्वेक्षण पद्धति से किस प्रकार भिन्न होता है ?
उत्तर:
साक्षात्कार, सर्वेक्षण पद्धति से इस तरह भिन्न होता है कि साक्षात्कार हमेशा व्यक्तिगत रूप से किया जाता है और इस पद्धति में काफी कम लोगों को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 12.
साक्षात्कार पद्धति के दो दोष बताइए।
उत्तर:

1. यह व्यक्तियों के एक चयनित समूह के विचारों को ही प्रस्तुत कर सकता है।
2. इसमें बहुत ज्यादा लोगों को शामिल नहीं किया जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
प्रेक्षण पद्धति से क्या तात्पर्य है? ।
उत्तर:
इसके अन्तर्गत शोधकर्ता को अपने शोधकार्य के लिए निर्धारित परिस्थिति या सन्दर्भ में क्या कुछ हो रहा है, इस पर नजर रखनी पड़ती है और उसका अभिलेख तैयार करना पड़ता है।

प्रश्न 14.
प्रेक्षण पद्धति के दो दोष बताइए।
अथवा
प्रेक्षण पद्धति की कोई दो सीमायें बताइए।
उत्तर:

1. कौनसी घटना शोधकार्य के लिए प्रासंगिक है अथवा नहीं, यह समस्या आती है।
2. शोधकार्य पर बारीकी से नजर रखना आवश्यक होता है।

प्रश्न 15.
ऐतिहासिक पद्धति किसे कहते हैं ?
उत्तर:
अतीत की घटनाओं के सन्दर्भ में वर्तमान की घटनाओं का अध्ययन करना और प्रामाणिक एवं विश्वसनीय निष्कर्षों को प्राप्त करना ही ऐतिहासिक पद्धति कहलाती है।

प्रश्न 16.
परियोजना कार्य की आवश्यकता क्यों होती है? उत्तर-निम्न उद्देश्यों से छात्र-छात्राओं के लिए परियोजना कार्य की आवश्यकता होती है

1. विद्यालय के छात्र-छात्राओं को घिसे-पिटे तरीके से ज्ञान न देकर उन्हें उनकी रुचियों, प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं के अनुसार ज्ञान प्रदान करना।
2. छात्र-छात्राओं में समय और आवश्यकताओं के अनुसार नई सोच और दृष्टिकोण को विकसित करना।

प्रश्न 17.
परियोजना कार्य से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
परियोजना कार्य वास्तव में सामाजिक वातावरण में ज्ञान और नवीन अनुभवों को प्राप्त करने का एक समस्यामूलक कार्य है, जिसका मूल उद्देश्य व्यावहारिक स्तर पर ज्ञान को प्राप्त करना है। किलपैट्रिक के अनुसार-"प्रोजेक्ट वह सहृदयपूर्ण कार्य है जो पूर्ण संलग्नता से सामाजिक वातावरण में किया जाता है।"

प्रश्न 18.
अनुसंधान पद्धति में शोधकर्ता को शोध प्रणाली का चयन करते समय क्या ध्यान में रखना पड़ता है?
उत्तर:
शोधकर्ता को यह ध्यान में रखना पड़ता है कि यह चयन तकनीकी कसौटियों के अनुसार ही नहीं बल्कि

व्यावहारिकता को भी ध्यान में रखना पड़ता है। व्यावहारिकता में अनेक बातें शामिल हो सकती हैं, जैसेअनुसंधान के लिए उपलब्ध समय की मात्रा, लोगों एवं सामग्री दोनों के रूप में उपलब्ध संसाधन; वे परिस्थितियाँ जिनमें शोध किया जाना है।

प्रश्न 19.
सर्वेक्षण और ऐतिहासिक पद्धति में क्या अन्तर है ?
उत्तर:
सर्वेक्षण पद्धति से हमको यह पता चलता है कि आज क्या हो रहा है जबकि ऐतिहासिक पद्धति से हमको यह पता चलता है कि पहले पत्रिकाएँ, समाचार पत्र अथवा टेलीविजन के कार्यक्रम कैसे होते थे।

प्रश्न 20.
परियोजना कार्य के तीन लाभ लिखिए।
अथवा
परियोजना कार्य के कोई तीन गुण बताइए।
उत्तर:

1. मनोवैज्ञानिक सन्तोष-परियोजना कार्य छात्र-छात्राओं को मानसिक सन्तोष प्रदान करता है क्योंकि इसके द्वारा ज्ञान की प्राप्ति स्वाभाविक वातावरण में की जाती है।
2. आत्मविकास के अवसर-इससे छात्र-छात्राओं में आत्मनिर्भरता की भावना का विकास होता है।
3. सामूहिकता की भावना का विकास परियोजना कार्य से छात्र-छात्राओं में सामूहिकता की भावना विकसित होती है।

प्रश्न 21.
परियोजना कार्य के तीन दोष बताइए।
अथवा
परियोजना कार्य की तीन सीमायें बताइए।
उत्तर:

1. अधिक अपव्ययी-परियोजना कार्य अधिक अपव्ययी होता है।
2. क्रमबद्ध अध्ययन की कमी-क्रमबद्ध जानकारी के अभाव में परियोजना सम्बन्धी कार्य व्यर्थ होता है।
3. अनुकूलन की समस्या-परियोजना कार्य के दौरान विद्यालयी वातावरण के अनुकूलन की समस्या आती है।

प्रश्न 22.
परियोजना कार्य के चरण बताइए। उत्तर-परियोजना कार्य को कई चरणों से गुजरना होता है:

1. समस्या का चुनाव करना।
2. शोध पद्धति का चुनाव करना।
3. समस्या क्षेत्र का चुनाव करना।
4. परियोजना कार्य का आयोजन।
5. तथ्यों का संकलन।
6. तथ्यों का वर्गीकरण और विश्लेषण।
7. निष्कर्ष।

https://www.evidyarthi.in/

8. रिपोर्ट अथवा प्रतिवेदन।

प्रश्न 23.
शोधकर्ता को शोध पद्धति का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
उत्तर:
शोधकर्ता को शोध पद्धति का चुनाव करते समय निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिये

1. शोध पद्धति का चयन तकनीकी कसौटियों अर्थात् प्रश्न और पद्धति की संलग्नता को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिये।
2. शोध पद्धति का चुनाव करते समय व्यावहारिकता को भी ध्यान में रखा जाना चाहिये, जिससे शोधकार्य को सही तरीके से अंजाम दिया जा सके।

प्रश्न 24.
शोध पद्धति में व्यावहारिकता के अन्तर्गत किन-किन बातों को सम्मिलित किया जाता है?
उत्तर:

1. अनुसन्धान के लिए उपलब्ध समय की मात्रा।
2. लोगों और सामग्री के रूप में उपलब्ध संसाधन।
3. वे परिस्थितियाँ जिनमें शोधकार्य किया जाना है।
4. अनुसन्धान कार्य के लिए उपलब्ध श्रम और तकनीक का प्रयोग करना इत्यादि।

प्रश्न 25.
विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बारे में सर्वेक्षण करते समय किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? कोई तीन कठिनाइयाँ बताइए।
उत्तर:

1. यदि सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है तो प्रश्नावली की कितनी ही प्रतियों को तैयार करना पड़ सकता है।
2. छात्र-छात्राओं को प्रश्नावलियों के वितरण करते समय, श्रम और धन का अधिक प्रयोग भी करना पड़ सकता है।
3. छात्राओं को प्रश्नावलियों को वितरित करने के लिए अध्यापकों से अनुमति न मिल पाये, जिसके कारण समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

प्रश्न 26.
सर्वेक्षण प्रणाली से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
सर्वेक्षण प्रणाली के अन्तर्गत सामान्य रूप से निर्धारित प्रश्नों को बड़ी संख्या में लोगों से पूछा जाता है। इन प्रश्नों को अन्वेषक के द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी पूछा जा सकता है जहाँ उत्तरदाता के द्वारा प्रश्नों को सुनकर उत्तरों को दिया जाता है। अन्वेषक के द्वारा उन उत्तरों को लिख लिया जाता है।